Resource: बाइबल कोश (टिंडेल)

License Information

बाइबल कोश (टिंडेल) (Hindi) is based on: Tyndale Open Bible Dictionary, Tyndale House Publishers, 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

बाइबल कोश (टिंडेल)

ट

टहलुए, टाँकी, टाँकी, टाट, टाटियन, टारगम, टिटीहरी, टिड्डि, टिड्डियाँ, टिड्डी, टिड्डी, टिड्डी, टीला, टुकड़ी, टेक्स्टस रिसेप्टस, टैक्स कलेक्टर, टोप, टोपी, टोबीत (व्यक्ति), टोबीत की पुस्तक

टहलुए

टहलुए

2 राजाओं 4:43 में सेवक।

टाँकी

टाँकी

एक बढ़ई का रेखांकन उपकरण जिसका उल्लेख मूर्तियों के निर्माण के सन्दर्भ में आरएसवी में किया गया है (यशा 44:13)। अन्य अनुवाद हैं "रेखा" (केजेवी), "लाल चाक" (एनएएसबी), "एक खुरचने का औजर" (एनईबी), "निशान करनेवाला" (एनआईवी)।

टाँकी

मिट्टी की पट्टिकाओं पर अक्षर लिखने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक हथियार (अय्यू 19:24; यिर्म 17:1)।

देखिए लेखन।

टाट

टाट एक खुरदरा पदार्थ था, जो अक्सर बकरी के बालों से बनाया जाता था, और मुख्य रूप से शोक के प्रतीक के रूप में उपयोग किया जाता था। कुछ नबी और बंदी भी इसे पहनते थे।

टाट आमतौर पर काला और खुरदरा होता था (यशा 50:3; प्रका 6:12)। इसके आकार के बारे में दो मुख्य दृष्टिकोण हैं।

1. टाट एक आयताकार वस्त्र था, जो किनारों और एक छोर पर सिला हुआ था, जिसमें सिर और बाहों के लिए छेद थे। यह आकार यूसुफ के भाइयों द्वारा उपयोग किए गए अनाज की बोरियों के समान है (उत 42:25–27, 35) और गिबोनियों द्वारा उपयोग की गई बोरियों के समान है (यहो 9:4; तुलना करें लैव्य 11:32)।
2. टाट एक छोटे लंगोट की तरह था। इब्री प्रथाएँ इसका समर्थन करती हैं। इनमें टाट से कमर कसना शामिल है (2 शमू 3:31; यशा 15:3; 22:12; यिर्म 4:8) और कमर पर टाट लपेटना (उत 37:34; 1 रा 20:31; यिर्म 48:37), हालांकि टाट से एक से अधिक प्रकार के वस्त्र बनाए जा सकते थे।

टाट मुख्य रूप से शोक के साथ जुड़ा हुआ था (उत 37:34; 1 रा 21:27; विला 2:10)। इसे राष्ट्रीय (2 रा 6:30; नहे 9:1; यशा 37:1; योना 3:8) के साथ-साथ व्यक्तिगत संकट के समय भी पहना जाता था। इसे पहना गया था:

- राजाओं (1 रा 21:27; 2 राजा 6:30)
- पुरोहित (योए 1:13)
- पुरनियों (विला 2:10)
- भविष्यद्वक्ता (यशा 20:2; जक 13:4)
- पशु (योना 3:8)

यह उन लोगों द्वारा पहना जाता था जो पश्चाताप कर रहे थे (नहे 9:1; यिर्म 6:26; तुलना करें मत्ती 11:21)। यह प्रथा इस्राएल तक सीमित नहीं थी (यशा 15:3; यिर्म 49:3; यहेज 27:31; योना 3:5)।

यह सुझाव दिया गया है कि टाट की खुरदरी बनावट असुविधाजनक थी और पहनने वाले को दंडित करने के लिए उपयोग की जाती थी। हालांकि, इस विचार का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है।

*यह भी देखें*दफन, दफन की प्रथाएँ; शोक।

टाटियन

टाटियन

टाटियन एक व्यक्ति थे जिन्होंने मसीही विश्वासों का बचाव किया (एक पक्षसमर्थक) लेकिन बाद में उन्होंने ऐसे विचार सिखाए जो पारंपरिक मसीही शिक्षाओं के खिलाफ थे (एक धर्म विरोधी)। वे *डायटेस्सारोन* के निर्माता थे (एक पुस्तक जिसने चार सुसमाचारों को एक कहानी में मिलाया)। *देखें* बाइबल, संस्करण (प्राचीन)।

टारगम

पुराने नियम का अरामी अनुवाद। जबकि शब्द "टारगम" का अर्थ कोई भी अनुवाद हो सकता है, इसका मतलब आमतौर पर एक अरामी संस्करण होता है जो पुराने नियम के हिस्से की व्याख्या या स्पष्टीकरण करता है। प्राचीन यहूदी धर्म के इतिहास में टारगम बहुत महत्वपूर्ण थे। कुछ यहूदी परंपराओं का कहना है कि मौखिक टारगम एज्रा के समय से ही मौजूद थे। नहेम्याह 8:8 इसका प्रमाण है।

बाबेली बँधुआई (मसीह से सात सौ वर्ष पूर्व) के दौरान, यहूदी इब्री भाषा बोलते थे। लेकिन जब उन्हें बेबीलोन में बंदी बना लिया गया, तो उन्होंने बेबीलोनियों की भाषा अरामी बोलना शुरू कर दिया। समय के साथ, अधिकांश यहूदी इब्रानी के बजाय अरामी बोलने लगे। इसका अर्थ था कि उन्हें शास्त्रों का अरामी में अनुवाद चाहिए था ताकि वे उन्हें समझ सकें। यहूदियों की आराधना स्थलों में, कोई व्यक्ति इब्रानी में कानून का एक अंश पढ़ता था। फिर, वे तुरंत अरामी में मौखिक अनुवाद करते थे। बाद में, लोगों ने इन अनुवादों को लिख लिया। इन लिखित टारगम में से कई आज भी विद्यमान हैं।

सबसे पहला ज्ञात टारगम अय्यूब की पुस्तक का है, जो कुमरान समाज की एक गुफा में पाया गया था। यह मसीह के समय से 100 वर्ष पहले लिखा गया था। सबसे महत्वपूर्ण टारगम, टारगम ओंकेलोस और टारगम जोनाथन हैं, जिनका उपयोग पाँचवीं सदी ईस्वी में किया गया था। टारगम ओंकेलोस पंचग्रन्थ का शाब्दिक अनुवाद था, और टारगम जोनाथन भविष्यवक्ताओं का एक अधिक स्वतंत्र व्याख्यात्मक संस्करण है।

टिटीहरी

टिटीहरी

लैव्यव्यवस्था 11:19 और व्यवस्थाविवरण 14:18 में व्यवस्था के अनुसार अशुद्ध पक्षी।

*देखें*पक्षी (हूपो)।

टिड्डि

पौधे खाने वाला कीट जो कूदने के लिए लंबे पिछले पैरों से सुसज्जित होता है। *देखें*पशु।

टिड्डियाँ

विभिन्न कीड़े विशेष रूप से उनके झुण्ड में आने, सामूहिक प्रवास, और वनस्पति के अत्यधिक विनाश के लिए जाने जाते हैं। *देखें*पशु।

टिड्डी

इब्रानी शब्द का के. जे. वी. अनुवाद जिसका अर्थ है “टिड्डी।” *देखें*पशु (टिड्डी)।

टिड्डी

चार पैरों और पंखों वाला कीड़ा, जिसे इस्राएलियों द्वारा खाने योग्य माना जाता था (लैव्य 11:22)। *देखें*पशु।

टिड्डी

टिड्डी

योएल 1:4, 2:25, और आमोस 4:9 में काटने वाली टिड्डी के लिए किंग जेम्स संस्करण का शब्द।

*देखिए*पशु (टिड्डी)।

टीला

टीला

अरबी शब्द (इब्रानी में टेल) का अर्थ एक कृत्रिम टीला है जो कई परतों के वृत्तिक मलबे से बना होता है, जो क्रमिक शहरों के खंडहरों का प्रतिनिधित्व करता है, मोटे तौर पर एक

टिकिया की परतों की तरह। क्षेत्रीय पुरातत्ववेत्ताओं के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है इमारतों के स्तरों या परतों का पता लगाना। स्तरों का निर्धारण मुख्य रूप से उनमें पाए जाने वाले मिट्टी के बर्तनों से होता है।

आमतौर पर टीले पर अरबी नाम होते हैं, जिनके कई बार दिलचस्प या मनोरंजक अर्थ होते हैं। राजा शाऊल के गृहनगर टेल एल फुल (गिबा) का अर्थ है "फलियों का टीला।" टेल बेत मिरसिम का अनुवाद "तेज़ ऊँट चलाने वाले के घर का टीला" होता है। अन्य आधुनिक नाम प्राचीन स्थलों की पहचान को बनाए रखते हैं; उदाहरण के लिए, तानाक टीला बाइबल का तानाच है; जेज़र टीला बाइबल का गेजर है।

बाइबल में टीले के कई संदर्भ हैं, हालाँकि अंग्रेज़ी में टीले का मतलब "टीला", "ढेर" या "खंडहरों का ढेर" हो सकता है। प्रभु ने इस्राएल को आज्ञा दी कि जो शहर घृणित मूर्तिपूजा करता है उसे जला दिया जाना चाहिए और "वह सदा के लिये खण्डहर रहे" (व्य.वि. 13:16)। यहोशू 11:13 में कहा गया है कि इस्राएल ने हासोर को छोड़कर टीलों पर खड़े किसी भी शहर को नहीं जलाया। यहोशू ने आई को जला दिया और उसे "सदा के लिये खण्डहर कर दिया" बना दिया (यहो 8:28)। अम्मोनियों के खिलाफ़ एक भविष्यवाणी में, यिर्मयाह ने कहा कि रब्बाह "उजड़कर खण्डहर हो जाएगा" (यिर्म 49:2)।

यह भी देखें पुरातत्व और बाइबल; मिट्टी के बर्तन।

टुकड़ी

कुछ इब्रानी अक्षरों पर छोटे सजावटी "सींग" होते हैं।

देखें बिंदु या टुकड़ी।

टेक्स्टस रिसेप्टस

देखें बाइबल, पांडुलिपियाँ और पाठ (नया नियम)।

टैक्स कलेक्टर

चुंगी लेनेवाला

वह व्यक्ति जो सरकार के लिए कर वसूल करता था। नए नियम के समय में रोमी सरकार कई तरह के कर लेते थे। उनके अपने अधिकारी इस काम को कुछ हद तक करते थे, लेकिन इसे निजी व्यक्तियों, यहूदियों और अन्य लोगों को भी सौंप देते थे, जिन्हें अधिकारियों को तय की गई राशि लौटानी होती थी। कई बेईमान व्यक्तियों ने जितना भुगतान करने की आवश्यकता थी, उससे कहीं अधिक एकत्र किया और इस प्रकार एक घृणित समूह बन गए, खासकर वे यहूदी जो अपने साथी यहूदियों को धोखा देते थे। एक यहूदी जक्कई, "चुंगी लेनेवालों का सरदार" था जिसने यरीहो क्षेत्र में काफी धन इकट्ठा किया था (लूका 19:2–10)। ऐसे व्यक्तियों को पापी माना जाता था और अक्सर "चुंगी लेनेवाले और पापियों" वाक्यांश में उन्हें एक साथ जोड़ा जाता था (मत्ती 9:10–11; 11:19; मरकुस 2:15–16; लूका 5:30; 19:2–10)।

टोप

टोप

देखिए कवच और हथियार।

टोपी

देखिए सिर ढकना।

टोबीत (व्यक्ति)

टोबीत की द्वितीयक कैनन पुस्तक के मुख्य पात्र।

देखें टोबीत की पुस्तक।

टोबीत की पुस्तक

टोबीत की पुस्तक टोबीत नामक एक व्यक्ति और उसके परिवार की कहानी है। कुछ कलीसियाई परम्पराएँ इसे उनके कैनन (बाइबल की पुस्तकों की आधिकारिक सूची) में शामिल करती है, जबकि अन्य नहीं करती। ट्रेंट की परिषद ने इसे 1546 ईस्वी में अपने कैनन के हिस्से के रूप में स्वीकार किया और यह रोमन कैथोलिक बाइबल में शामिल है। यह इब्रानी पुराने नियम में शामिल नहीं था। प्रोटेस्टेंट इसे अपोक्रिफा (लेखनों का एक संग्रह जो बाइबल से सम्बन्धित हैं लेकिन पवित्रशास्त्र नहीं माने जाते) के हिस्से के रूप में शामिल करते हैं।

पूर्वावलोकन

- **टोबीत की पुस्तक किसने लिखी? यह कब लिखी गई थी?**
- **टोबीत की पुस्तक क्यों लिखी गई थी?**
- **टोबीत की पुस्तक की कहानी क्या है?**
- **टोबीत की पुस्तक का सन्देश क्या है?**

टोबीत की पुस्तक

टोबीत की पुस्तक किसने लिखी? यह कब लिखी गई थी?

टोबीत की पुस्तक विश्वासयोग्यता और धार्मिक भक्ति की एक कहानी है। इसे एक ऐसे यहूदी ने लिखा था जो सम्भवतः फिलिस्तीन में जन्मा था। यह पुस्तक परमेश्वर में दृढ़ विश्वास को दर्शाती है। लेखक ने परमेश्वर को कई महत्वपूर्ण तरीकों से वर्णित किया है। लेखक परमेश्वर को इस प्रकार सन्दर्भित करता है:

- "हमारे पूर्वजों के परमेश्वर" (टोबित 8:5),
- "हमारे प्रभु और परमेश्वर, वे हमारे पिता सदा के लिये हैं" (13:4), और
- "स्वर्ग के राजा" (वचन 13:7, 11, 15)।

टोबीत की पुस्तक कई प्राचीन संस्करणों और अनुवादों में संरक्षित रही है:

- यूनानी में तीन संस्करण हैं
- लातीनी में दो संस्करण हैं
- सिरिएक में दो संस्करण हैं
- इब्रानी में चार संस्करण हैं
- इथियोपियाई में एक संस्करण है।

टोबीत की पुस्तक कई प्राचीन संस्करणों और अनुवादों में कुमरान में सुरक्षित रही है (जहाँ कई प्राचीन धार्मिक शास्त्र भाग खोजे गए हैं)। इन खोजों के कारण, कुछ विद्वानों का मानना है कि यह पुस्तक पहले इब्रानी या अरामी में लिखी गई थी।

पुस्तक में मक्काबियों के समय की घटनाओं का कोई उल्लेख नहीं है (यह यहूदियों के इतिहास की एक अवधि है जो लगभग 167 ईसा पूर्व में शुरू हुई थी)। यह सुझाव देता है कि पुस्तक उस समय से पहले लिखी गई थी। हालाँकि, पुस्तक में इतिहास और स्थानों के बारे में कुछ गलतियाँ हैं जो दिखाती हैं कि इसे उतना पहले नहीं लिखा जा सकता जितना यह दावा करती है। अधिकांश विद्वानों का मानना है कि इसे लगभग 200 ईसा पूर्व या उसके तुरन्त बाद लिखा गया था।

टोबीत की पुस्तक क्यों लिखी गई थी?

चूँकि टोबीत की पुस्तक की घटनाएँ सम्भवतः वास्तविक ऐतिहासिक घटनाएँ नहीं हैं, इसलिए हमें यह विचार करना चाहिए कि लेखक ने यह कहानी क्यों रची। लेखक लोगों को ऐसा जीवन जीने की शिक्षा देना चाहता था जो परमेश्वर को प्रसन्न करे। वह इसे मुख्य पात्र, टोबीत के माध्यम से दर्शाते हैं।

यह कहानी यह पाठ टोबीत के कार्यों के माध्यम से सिखाती है। जब टोबीत अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना कर रहा था, तब भी वह यहूदी लोगों की सहायता करता रहा। उसने अपनी दयालुता को इस प्रकार दिखाया कि जो यहूदी राजा द्वारा मारे गए थे, उन्हें वह सम्मानपूर्वक गाड़ता था। यह खतरनाक और कठिन काम था, लेकिन टोबीत ने इसे किया क्योंकि उसे विश्वास था कि यह सही कार्य है।

टोबीत की पुस्तक की कहानी क्या है?

यह कहानी टोबीत से आरम्भ होती है, जो नप्ताली गोत्र का एक विश्वासयोग्य इस्राएली था। वह नीनवे नगर में रहता था। यद्यपि टोबीत एक अच्छा जीवन जीता था और बहुतों की सहायता करता था, फिर भी एक दिन जब चिड़ियों ने उसकी आँखों में मल गिरा दिया, तो वह अन्धा हो गया। अपनी पीड़ा और दुःख में, उसने परमेश्वर से मृत्यु की प्रार्थना की (टोबीत 1:1–3:6)।

बहुत दूर एक अन्य नगर अहमता में सारा नाम की एक जवान स्त्री भी मृत्यु की प्रार्थना कर रही थी। सारा टोबीत के परिवार की एक कुटुम्बिनी थी। वह सात बार विवाह कर चुकी थी, परन्तु उसका हर एक पति विवाह की रात ही मृत्यु हो गई थी। अस्मादेव नामक एक पिशाच ने ईर्ष्या के कारण उन्हें मार डाला था (3:7–15)। इसलिए, परमेश्वर ने स्वर्गदूत रफ़ाएल को टोबीत और सारा की सहायता के लिए भेजा (Tobit 16–17)।

टोबीत ने अपने पुत्र तोबियास को एक महत्वपूर्ण यात्रा पर भेजने का निर्णय लिया। उन्हें तोबियास को मादे के नगर रागेस में भेजने की आवश्यकता थी (नगर को अब *राई* कहा जाता है, जो तेहरान, ईरान के पास है)। उसे वहाँ धन इकट्ठा करने के लिये भेजा गया था, जो टोबीत ने एक मित्र के पास छोड़े थे। रफ़ाएल ने स्वयं को अजर्याह नामक पुरुष का भेष धारण किया और स्वयं को टोबीत का कुटुम्बी बताकर परिचय दिया (5:13)। स्वर्गदूत ने तोबियास को उनकी यात्रा में मार्गदर्शन करने प्रस्ताव रखा। तोबियास का कुत्ता भी उनके साथ गया।

उनकी यात्रा के दौरान, तोबियास ने एक बड़ी मछली पकड़ी। रफ़ाएल ने तोबियास से कहा कि मछली के हृदय, कलेजा और पित्त को रख लें क्योंकि वे औषधि के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं (टोबीत 6:1–8)। जब वे अहमता पहुँचे, तो रफ़ाएल ने तोबियास का विवाह सारा से कराने की व्यवस्था की। तोबियास ने अपने विवाह की रात को स्वयं को और सारा को अस्मादेव पिशाच से बचाने के लिये मछली के हृदय और कलेजा का उपयोग किया (टोबीत 6:9–8:21)।

रफ़ाएल ने टोबीत के धन इकट्ठा करने में सहायता की, और फिर तोबियास, सारा, रफ़ाएल, और कुत्ता नीनवे लौट आए। नीनवे में, तोबियास ने मछली की पित्त का उपयोग करके अपने पिता के अंधेपन को ठीक किया। इसके बाद, रफ़ाएल ने प्रगट किया कि वह वास्तव में एक स्वर्गदूत थे और फिर अदृश्य हो गए। टोबीत इतने आभारी थे कि उन्होंने परमेश्वर की स्तुति में गाया (टोबीत 13)।

टोबीत की पुस्तक

अन्तिम अध्याय हमें बताता है कि टोबीत 112 वर्ष की आयु तक जीवित रहा (टोबीत 14)। मरने से पहले, उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि नीनवे नगर नाश हो जाएगा। अपने पिता की सलाह का पालन करते हुए, तोबियास और सारा इस घटना से पहले अहमता लौट गए।

टोबीत की पुस्तक का सन्देश क्या है?

टोबीत की पुस्तक हमें यह समझने में सहायता करती है कि यहूदी लोग मक्कबियों के समय से पहले भी अपने विश्वास को कैसे जीते थे। यह हमें दिखाती है कि यहूदी परिवार बँधुआई से लौटने के बाद कैसे जीवन व्यतीत करते थे। कई प्रारम्भिक मसीही शिक्षकों ने इस पुस्तक को अत्यधिक महत्व दिया। मार्टिन लूथर, जो प्रोटेस्टेंट शोधन के प्रमुख अगुओं में से एक थे, ने टोबीत को "एक सचमुच सुन्दर, स्वास्थ्यकारी और लाभकारी कहानी, एक प्रतिभाशाली कवि की रचना ... मसीहियों के पढ़ने के लिये उपयोगी और अच्छी पुस्तक" के रूप में वर्णित किया।

टोबीत की पुस्तक परमेश्वर की करुणा और प्रेम के विषय में कई महत्वपूर्ण बातें सिखाती है। यह हमें बताती है कि "उनके सभी मार्ग करुणा और सत्य हैं" (टोबीत 3:2)। कहानी परमेश्वर को एक पिता के जब परमेश्वर अपने लोगों को उनके गलत कार्यों के कारण कठिनाइयों का सामना करने देता है, तब भी वह उन पर करुणा दिखाते हैं (पद 5)। पुस्तक यह समझाती है कि जब परमेश्वर के लोग विभिन्न देशों में फैले होते हैं, तब भी वह उन्हें नहीं छोड़ते (13:6; 14:5)।

यह कहानी यह भी सिखाती है कि एक दिन, सभी जाति के लोग परमेश्वर को जानेंगे। वे "बहुत दूर से यहोवा परमेश्वर के नाम के पास आएँगे, अपने हाथों में भेंट लिये हुए, स्वर्ग के राजा के लिये भेंट लेकर" (13:11)।

टोबीत की पुस्तक अच्छे जीवन जीने के विषय में कई महत्वपूर्ण बातें सिखाती है:

- बच्चों को अपने माता-पिता का सम्मान और आदर करना चाहिए (टोबीत 4:3–4)
- लोगों को परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना चाहिए (टोबीत 4:5)
- हर किसी को एक सुव्यवस्थित जीवन जीना चाहिए (टोबीत 4:14)
- पुस्तक यह महत्वपूर्ण नियम देती है: "जो बात आपको अच्छी नहीं लगती है, वह किसी और के साथ न करें" (टोबीत 4:15)

यह धार्मिक कहानी यहूदी घरों में एक विशेष स्थान रखती थी। इसने इतिहास भर में अनेक मसीहियों को भी प्रभावित किया है। इसके परिवारिक जीवन, दूसरों पर करुणा दिखाने, और विश्वासयोग्यता से जीवन जीना आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं।